



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 19 मार्च, 2004/29 फाल्गुन, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

लोक निर्माण विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 16 मार्च, 2004

संख्या पी०बी० डब्ल्यू०(सी)ए(३)-३/९४-II.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श में इस विभाग की अधिसूचना संख्या पी०बी० डब्ल्यू०-सी-ए(३)-३/९४-II, तारीख 30-5-2002 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग में सहायक अभियन्ता (सिविल) वर्ग-I (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 2002 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग, सहायक अभियन्ता (सिविल) वर्ग-I (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति (द्वितीय संशोधन) नियम, 2004 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध “क” का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग सह एक अभियन्ता (सिविल) वर्ग-1 (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 2002 के उपाबन्ध “क” में,—

(क) स्तम्भ संख्या 2 के सामने विद्यमान उपबन्ध के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, और :—

“302 (तीन सौ दो)”; और

(ख) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

- (i) कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) जिनका 7 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा सहित 7 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो और अनर्हित कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) जिनका 15 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा सहित 15 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो ... 45%
- (ii) कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) जिन्होंने अपने सेवाकाल के दौरान कनिष्ठ अभियन्ता के रूप में ए0एम0 आई0 ई0 या इसके समतुल्य उपाधि प्राप्त की हो और जिनका 3 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा सहित 3 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो ... 10%
- (iii) कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल), जिनके पास कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) के रूप में नियुक्ति के समय सिविल इंजीनियरिंग की उपाधि या इसके समतुल्य उपाधि हो और जिनका 3 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा सहित 3 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो ... 15%
- (iv) ड्राफ्टमैन काडर में से जिन्होंने कम से कम मैट्रिक या इसके समतुल्य परीक्षा पास की हो और किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से ड्राफ्टमैनशिप में 2 वर्ष का डिप्लोमा प्राप्त किया हो और जिनका 10 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में निरन्तर की गई तदर्थ सेवा सहित 10 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो ... 4%
- (v) ड्राफ्टमैन काडर में से जिनके पास ए0एम0 आई0 ई0 या इसके समतुल्य योग्यता हो और जिनका 3 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा सहित 3 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो ऐसा न होने पर कालम 11(iv) में, के ड्राफ्टमैन काडर में से ... 1%

टिप्पण.—20 बिन्दु रोस्टर को उपरोक्त विहित रीति में चार बार दोहराया जाएगा और तत्पश्चात् ड्राफ्टमैन काडर के लिए रखा पांचवें चक्र का दसवां बिन्दु उस ड्राफ्टमैन काडर के हिस्से को जाएगा जो ए0एम0 आई0 ई0 उपाधि या इसके समतुल्य ग्रहंता रखता हो।

“सीधी भर्ती द्वारा और प्रोन्नति द्वारा पदों को भरने के लिए निम्न रोस्टर होगा :—

बिन्दु संख्या	प्रवर्ग
प्रथम पद	प्रवर्ग (1)
द्वितीय पद	प्रवर्ग (1)
तृतीय पद	सीधी भर्ती
चतुर्थ पद	ए0एम0 आई0 ई0 कनिष्ठ अभियन्ता
पांचवां पद	प्रवर्ग (1)
छठा पद	सीधी भर्ती
सातवां पद	स्नातक कनिष्ठ अभियन्ता
आठवां पद	प्रवर्ग (1)

नवां पद	सीधी भर्ती
दसवां पद	ड्राफ्टमैन कांडर
ग्यारहवां पद	प्रवर्ग (1)
बारहवां पद	प्रवर्ग (1)
तेरहवां पद	स्नातक कनिष्ठ अभियन्ता
चौदहवां पद	ए0 एम0 आई0 ई0 कनिष्ठ अभियन्ता
पंद्रहवां पद	प्रवर्ग (1)
सोलहवां पद	सीधी भर्ती
सत्तारवां पद	स्नातक कनिष्ठ अभियन्ता
अठारवां पद	प्रवर्ग (1)
उन्नीसवां पद	सीधी भर्ती
बीसवां पद	प्रवर्ग (1)

(रोस्टर प्रत्येक 20वीं रिक्ति के पश्चात् तब तक दोहराया जाता रहेगा जब तक कि दो गई प्रतिगणना तक सभी प्रवर्गों को प्रतिनिधित्व प्राप्त नहीं हो जाता। प्रवर्ग से सम्बन्धित रोस्टर जिसमें विहित कोटा प्राप्त कर लिया है, निलम्बित रहेगा और तब पुनः प्रवर्तित हो जाएगा जब उस प्रवर्ग की प्रतिगणना विहित कोटे से नीचे आ जाती है। किसी भी मामले में, आने-आने वाले प्रवर्गों के लिए विहित कोटे का उलंघन नहीं किया जाएगा। तथापि विशिष्ट प्रवर्ग के व्यक्ति यदि वर्तमान नियमों के अनुसार इस कोटे से अधिक पाये जाने हैं तो वे प्रतिवर्तित नहीं होंगे और वे उनके हिस्से में भविष्य में आने वाली रिक्तियों के विरुद्ध समायोजित किए जाएंगे)।”

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए, इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी। परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (तदर्थ आधार पर की गई सेवा सहित) जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने संवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने के विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जायेगा/समझे जाएंगे।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जायेगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबिलाईज्ड आर्मंड फोर्सिज परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नॉन-टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत

भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे ऐक्स सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के उपबन्धों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद पर की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि ऐसे पद पर तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

आदेश द्वारा,

सुभाष सी० नेगी,
सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. PBW-(C)-A(3)-3/94-II, dated 16-3-2004 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

PUBLIC WORKS DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 16th March, 2004

No. PBW(C)A(3)-3/94-II.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the following Rules further to amend the Himachal Pradesh Public Works Department, Assistant Engineer (Civil) Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 2002, notified vide this Department Notification No. PBW-C-A (3)-3/94-II dated 30-5-2002, namely :—

1. *Short title and commencement.*—(i) These rules may be called the Himachal Pradesh Public Works Department, Assistant Engineer (Civil) Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion (Second Amendment) Rules, 2004.

(ii) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment of Annexure "A".*—In Annexure "A" to the Himachal Pradesh Public Works Department, Assistant Engineer (Civil) Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 2002:

(a) For the existing provision against Column No. 2, the following shall be substituted, namely :—

“302 (Three hundred and Two)”; and

(b) for the existing provision against column No. 11 the following shall be substituted, namely :—

- (i) Junior Engineers (Civil) having 7 years regular or regular combined with continuous *ad hoc* service in the grade and unqualified Junior Engineer (Civil) with atleast 15 years regular or regular combined with continuous *ad hoc* service in the grade .. 45%.
- (ii) Junior Engineers (Civil) who acquire AMIE or its equivalent degree during service as Junior Engineer (Civil) having 3 years regular or regular combined with continuous *ad hoc* service in the grade .. 10%.
- (iii) Junior Engineers (Civil) who possess Degree in Civil Engineering or its equivalent at the time of appointment as Junior Engineer (Civil) having 3 years regular or regular combined with continuous *ad hoc* service rendered in the grade .. 15%.
- (iv) Draughtsman cadre who have passed atleast Matriculation or its equivalent examination and possess two years diploma in Draughtsmanship course from recognised Institution and having 10 years regular or regular combined with continuous *ad hoc* service in the grade .. 4%.
- (v) The Draughtsman cadre who possess AMIE or its equivalent qualification and having three years regular or regular combined with continuous *ad hoc* service in the grade failing which from amongst the draughtsman cadre against column 11 (iv) .. 1%.

The 20 point roster shall be repeated four times in the manner prescribed above and thereafter 10th point of the 5th cycle meant for Draughtsman cadre shall go to the share of draughtsman cadre who possess AMIE degree or its equivalent qualification.

“The roster for filling up of the posts by direct recruitment and by promotion will be as under :—

<i>Points</i>	<i>Category</i>
1st post	Category (1)
2nd post	Category (1)
3rd post	Direct
4th post	AMIE JE
5th post	Category (1)
6th post	Direct
7th post	Graduate JE
8th post	Category (1)
9th post	Direct

10th post	Draughtman Cadre
11th post	Category (1)
12th post	Category (1)
13th post	Graduate JE
14th post	AIME JE
15th post	Category (1)
16th post	Direct
17th post	Graduate JE
18th post	Category (1)
19th post	Direct
20th post	Category (1)

(The roster will be repeated after every 20th vacancies till the representation to all the categories is achieved upto the given percentage. The roster qua the category which has achieved the prescribed quota shall remain suspended and shall revive again when percentage of that category falls below the prescribed quota. In no case, the quota prescribed for respective category shall be violated. However, the persons of particular category if found in excess of these quota as per the present rule shall not be reverted and they shall be adjusted against future vacancies falling to their share)."

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of Recruitment & Promotion Rules:

Provided that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration :

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of atleast 3 years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation, continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provision of the Recruitment & Promotion Rules :

Provided that *inter se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered as referred to above shall remain unchanged."

By order,

SUBHASH C. NEGI,
Principal Secretary.

